

प्रधानमन्त्री जङ्गबहादुर राणाको समयको नेपाल-भोट युद्धको ऐतिहासिक सामग्री

गतांकको बाँकी

६२३

योथ्यो पद्धि र हासा वाट नजा अस्वा टि गरि आयो उनले फिका हपठया कन र
मजा क्क ५७ दिन पद्धि आउना भनि लेखी पठाया कन तिमिलाइ पनी देवा ध
र्मा वाट नेपाल के अमये का क्क कथा अर्थ ले चहाइ गन्ना के रहे क्क थ्ये निचुक न
हकित गरि लेखी पठाउ भन्या वे हो गके चिठी ले खी पठाया क्क न स र्थ ला
मालाइ पनी नेपाल के अमये के नि सु कले खी पठाउ खर्दार दो मास्या पनी जा
हा आउं हो भनी गया थ्या किन अमिन न चेवा गर्न आया का इ न कि क सो हो
तिमी हरु लाई पनि के ही चिठी ले खी पठाउ ठाउ ठाउ मा विकट र लस्कन बध्या
ले हा मा चेवा ले नि सु खेवा पनी के ही ल्याउ न के न चिठी लि त मा दो मास्या
पनी पठाउ हा मो मानि स भोटे कुरा जा न्या लाई साठ लाई दिं दु मि सी हरु ले नि
सुक खवर ल्याउ न भनि देवा धर्मा के ला मालाई मे ले अहा मार लासा के
दो मास्या चिठी ली हा मा मानि स भोया कुरा जा न्या पलन के सिपाही स्मे त य
उं ठाउं मा मे हे रि उन ले ल्याया के खवर रुगा कि खा दे खी डे ट के स उ भो टिम
रि जान्या वा टो इ इ ज्याड ताड जान्या बा टो ये क मा ठाउ क्क उ मा आड वा धी १५।२०।
१००० प गरि ५।७ ठाउं मा विकट व स्या का क्क न साहिं स्या मा २०००।२५०० सिपाही
र का जी भै भार दार खेरै आइ व स्या का क्क न औस्वा ली सवार ह जार आउं क्क न
भ थ्या ५।७ जना भालु का क्क ल लाया का राता रं डालिया का तिर क वान च्याप सा
वंदु क गिया का घोडा का सवार हरु लाई दे स्या थ्या ज्याड ताड जान्या वा टा मा रु
गा वाट भा गि जान्या फौज ट। स ये र पद्धि थ पि ग स्या के ह जार फौजर १०।८ ज
ना भार दार आया का क्क न पद्धि ह जार फौजर सात तो प पनि आउं क्क न स थ्या
भन्या खवर हा मो चेवा ले ल्याया देवा धर्मा के ला साले पठा या के चि ठी र भो ट
वा ट निज लासा लाइ पठाया के चि ठी के न क ल स्मे त च छड पठाया के क्क

नजुर भै जाहेर होला मुकी रुगा कि द्या भु भ्त

याम भित्रको

चिनी आ भोट कक चहरि बाट देवाधर्मी काला मालाइ लेय्याको जवाप सिंभु
 कालमा का चरामा मालाम उप्रान ति मो दो मा स्यार चाके रलाई चिठीले श्री प
 ठायाके अर्थ हासीलाई मालु म भयो गोर्खा बाट असदरि लियाको जगाको आ
 धिर करवर रूपैयाको आधि चार्हिठ भन्या कुगलाई ठुलो चिन वाद साहकाः
 जगा जमिन र का वर रूपैया दिनुलीतु भन्या कुगे परै गय मुअले बोल्याप
 नि ति मो हा मो ज्य जान्या हो हाशामुना सिवलेत येवे हो ग मा हासी दिन्को भनी
 आउन सकै नो औ जगा जगा का सिवाना साठे वा हरुले विदुत गरि अन्या यग
 रि रक मवछ याकोर मानिस मारि धन लुट पिट गन्याको अर्थ जाहा जाहा वि
 दुत गन्याको जगाठ जाच बुरु गरि अन्या यग न्या तिनि हरुलाई विदुत माफि
 कको सजाय गरि अवपरितु पनी लुट पिट नग न्या गरि वन्दो वजग न्या कुगमा
 हासी हरुले पनी भोट सर्कार अम्बा का हजुर मा साधी वक्ताई जवाप पठाइ दि
 उला भेष्ट वदी रोज प मुकाम सासी आ भु भ्त

दो मा स्या गमना गनर धेवाले न देन लाई चिंया सर्दा
 र द्याी वोलाले पठायाको चिठी को नकल

उप्रान चिनीया को सर्दार द्याी वोला स्या नलट ले गोर्खाको दो मा स्या गम
 नागन ले न देन लाई पठायाको निमी हरुले आहा पठायाको चिठीको उ
 तरा हासी टि गरि को ताल्ये य ज्य वदी रोज कटिन रुगा जनरल का
 हजुर मा सामेल हुन्या दुभन्या ये कुग आउन न सकदा फेरि सर्दार वाट
 चिठीले श्री पठायाको गोर्खाको आतन सकन्या ठुलो साहेव रुगामा आः